NT>

Title: Need to bring back `Bhiksha Patra` of Lord Buddha from Afghanistan.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, भगवान बुद्ध महानिर्वाण के बाद जब वैशाली से केसरिया जा रहे थे तो वैशाली के लोग उनका साथ नहीं छोड़ रहे थे। उन्हें लौटाने के लिये उन्होंने एक भिक्षापात्र दिया तब वैशाली के लोग लौटे। डा. श्रीधरन वासुदेव सोहानी, पूर्व मुख्य सचिव, बिहार सरकार जो एक बड़े इतिहासकार भी हैं, ने इस के बारे में लिखा है। इसके अलावा श्रीमती लक्ष्मी मैनन, उप-सचिव, विदेश मंत्रालय और श्री हक्सर, जो अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत थे, उन्होने पाया कि भगवान बुद्ध का वही भिक्षापात्र अफगानिस्तान में है। उस भिक्षापात्र का फोटो खिंचवाकर यहां भेजने का काम किया है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि भगवान बुद्ध ने जो भिक्षापात्र वैशाली के लोगों को दिया था, उसे तलाश करके यहां मंगाये और वैशाली को लौटाये।

अध्यक्ष महोदय, भगवान बुद्ध का अस्थि कलश खुदाई में मिला था, उसे विश्व धरोहर घोाति किया जाये क्योंकि आज से 2600 वा पहले भगवान बुद्ध ने विश्व को शान्ति का संदेश दिया था। इसलिये वह भिक्षा पात्र और अस्थि कलश को विश्व धरोहर घोाति किया जाये।

अध्यक्ष महोदय : आप कृपया 2-2 मिनट में अपनी बात पूरी करें।